श्रद्धालुओं से भरी लग्जरी बस बेकाबू होकर पलटी, 21 घायल

स्टीयरिंग फेल होने के बाद सामने बोलेरो गाड़ी आने से बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई

- खाटू श्यामजी व सालासर बालाजी के दर्शन कर दिल्ली जा रहे थे श्रद्धालु
- दिल्ली के रोहिणी इलाके से श्रद्धालुओं की एक बस देव दर्शन के लिए आई थी

चिड़ावा, (निसं)। शहर की बाईपास रोड पर अल सुबह साढ़े तीन बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी लग्जरी बस झुंझुनूं-चिड़ावा बाईपास पर मंड्रेला चौराहे के पास बेकाबू हो कर पलट गई। बस पलटते ही श्रद्धालुओं की चीख-पुकार गूंजने लगी। आसपास के लोगों के देखा तो पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और चिड़ावा के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां पर उपचार के बाद गंभीर घायलों को झुंझुनूं रेफर किया गया, लेकिन परिजन कुछ घायलों को पर्सनल वाहनों और एंबुलेंस में हिसार ले गए। वहीं एक निजी बस से अन्य घायलों को दिल्ली रवाना किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के रोहिणी इलाके से श्रद्धालुओं की एक बस देव दर्शन के लिए निकली थी। सभी पहले खाटूश्याम जी गए। वहां से सालासर आए और आखिर में चूड़ी धाम में दर्शन के बाद सभी दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। लेकिन दिल्ली पहुंचने से पहले ही चिड़ावा बाईपास पर हादसा हो गया।

स्टेयरिंग हुआ फेल:- गाड़ी स्पीड में थी। लेकिन अचानक स्टेयरिंग फेल होने के बाद सामने अचानक बोलेरो गाड़ी आने पर उसे बचाने के चक्कर में बस डिवायडर पर चढ़कर पलट गई।

आठ घायल हिसार और बाकी दिल्ली रैफर:- घायलों को चिड़ावा के उप जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर डॉक्टर नरेंद्र तेतरवाल के नेतृत्व में नर्स कविता, इंद्रावती, राधा और वार्डबॉय कर्मवीर श्योराण ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जिसके बाद 21 में से 18 गंभीर घायलों को झुंझुनूं रैफर कर दिया। लेकिन घायलों के परिजन आठ बेहद गंभीर घायलों को हिसार रवाना कर दिया। वहीं अन्य घायलों को एक निजी बस से दिल्ली के रोहिणी के लिए रवाना किया गया। हादसे में एक महिला की हालत चिंताजनक थी। 25 वर्षीय दिल्ली निवासी कोमल का एक हाथ बस के नीचे आने से कट कर अलग हो गया। उसे हिसार भेजा गया है। वहीं सात घायलों के सिर और हाथ, पैर में गंभीर चोट है। इन्हें भी हिसार भेजा गया है।

चिड़ावा सीआई विनोद सामरिया ने बताया कि सूचना मिलते ही वे जाब्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल सभी को चिड़ावा से रवाना कर दिया गया है।

जेल प्रहरी ने रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मारी, मौत

मृतक का फाइल फोटो।

- पुलिस ने कहा कि यह आत्महत्या है या फिर दुर्घटना, इसकी जांच की जा रही है

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित जिला जेल में कोत (हथियार खाना) के मुख्य प्रभारी ने रविवार सुबह 10:30 बजे रिवॉल्वर से सिर में गोली मार ली। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि यह आत्महत्या है या फिर दुर्घटना, इसकी जांच की जा रही है। कोतवाली थाना एसएचओ राममनोहर ठोलिया ने बताया कि सूचना मिली कि मंडावा रोड स्थित जिला जेल में मुख्य जेल प्रहरी 45 वर्षीय मुख्य जेल प्रहरी कृष्ण कुमार ने खुद को गोली मार ली। मौके पर पहुंचकर घटना का निरीक्षण किया। कृष्ण कुमार जेल के हथियार खाने में मृत पड़ा था। हाथ में 455 बोर पिस्टल थी। सिर में छेद था, काफी ब्लड बहा था, पिस्टल लोडेड थी इसमें से सिर्फ 1 गोली निकली थी, जिससे कृष्ण की मौत हुई।

पिस्टल में पांच राउंड भरे और एक खाली था। शव को बीडीके हॉस्पिटल लाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। किन हालात में मौत हुई और आत्महत्या का कारण क्या रहा, इसकी जांच करेंगे। जानकारी के मुताबिक कृष्ण कुमार जेल परिसर के क्वार्टर में रहते थे। सुबह 10 से शाम 6 बजे तक उनकी ड्यूटी थी। रविवार को सुबह 10 बजे वे ड्यूटी पर आए। ड्यूटी पर आने के बाद मुख्य दरवाजे पर कुछ देर काम किया। इसके बाद रजिस्टर रखने के लिए जेल में स्थित हथियार खाने में चले गए। हथियार खाने के बाहर दो सिपाही थे। सुबह करीब 10:30 बजे हथियार खाने से गोली चलने की आवाज आई। हथियार खाने के बाहर मौजूद दोनों जवान अंदर गए तो फर्श पर कृष्ण कुमार पड़े थे। सिर में गोली लगी थी, खून बिखरा था।

झुंझुनूं जेल डीएसपी प्रमोद सिंह ने बताया कि कृष्ण कुमार जिला जेल में अक्टूबर 2021 से पोस्टेड थे। उनके पास हथियार खाने का अतिरिक्त चार्ज था। वे कोत प्रभारी थे। प्रभारी होने के कारण वे हथियार खाने में आते-जाते रहते थे। हथियार खाने के पास मौजूद दो जवानों ने बताया कि कृष्ण को गोली लगी है। कृष्ण मानसिक तौर पर स्वस्थ थे। वे बखूबी ड्यूटी कर रहे थे। न उन्हें कोई शिकायत थी और न उनके खिलाफ किसी तरह की शिकायत थी। हो सकता है कि हादसे के कारण उनकी मौत हुई हो, यह जांच का विषय है। हां, कुछ दिन पहले वे बीमार हुए थे, लेकिन यह भी सामान्य था। उन्होंने कहा कि जेल में एक हथियारखाना आपात हालात से निपटने के लिए होता है। सारे हथियार यहां सुरक्षित रखे होते हैं। पिस्टल, रिवॉल्वर, राइफल सब यहीं होते हैं। जेल में आरएसी वाले ही ड्यूटी करते हैं।

कृष्ण कुमार झुंझुनूं जिले की अलसीसर तहसील के जवाहरपुरा गांव के रहने वाले थे। वे 2003 बैच के कॉन्स्टेबल रहे। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 24 और छोटा 20 साल का है। दोनों कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हैं। कृष्ण कुमार का परिवार गांव में रहता है। सूचना पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक रविवार को भी ड्यूटी पर आने से पहले वे अपनी पत्नी से फोन पर बातचीत कर रहे थे। पत्नी को फोन पर ड्यूटी पर जाने की बोलकर ही अपने क्वार्टर से निकले थे।

ट्रेलर चालक द्वारा गबन किया गया 3.68 करोड़ रुपये का कॉपर वायर सहित ट्रेलर जब्त

भाबरु थाना पुलिस ने 40.842 टन कॉपर वायर जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

- वाहन चालक कॉपर वायर लेकर उत्तराखंड रुडकी के लिए रवाना हुआ था
- माल लेकर उत्तराखंड रुडकी नहीं पहुँचा व मोबाइल बंद कर लिया था

पावटा, (निसं)। भाबरु थाना पुलिस ने ट्रेलर चालक द्वारा गबन किया गया 400 क्विंटल कॉपर वायर सहित ट्रेलर जब्त किया है। पुलिस ने 40.842 टन कॉपर वायर जिसकी बाजार कीमत 3 करोड़ 68 लाख रुपये बताई है।

जिला पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा संपति संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने व त्वरित कार्यवाही करने के आदेशों की पालना में भाबरू पुलिस थाने में दर्ज प्रकरण में आरोपी चालक लालाराम द्वारा गबन किया हुआ 400 क्विंटल कॉपर वायर सहित ट्रेलर को बरामद करने के निर्देशों पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नेम सिंह के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला के सुपरविजन में भाबरु थाना प्रभारी मनोहर लाल के नेतृत्व में गठित पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी का पीछा करते हुए लालाराम को गिरफ्तार किया। वहीं 400 क्विंटल कॉपर वायर सहित ट्रेलर व घटना में प्रयुक्त अन्य दूसरा ट्रेलर भी जप्त किया गया। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला ने बताया कि परिवादी ने भाबरु थाने में मामला दर्ज करवाया था कि वाहन चालक लालाराम जाट 40.842 टन कॉपर वायर जिसकी बाजार कीमत 3 करोड़ 68 लाख है लेकर उत्तराखंड रुडकी के लिए रवाना हुआ था जोकि माल लेकर उत्तराखंड रुडकी नहीं पहुँचा व मोबाइल भी बंद कर लिया व माल को खुर्द-बुर्द कर दिया। इस पर दर्ज मामले को लेकर अनुसंधान करते हुए साइबर सेल की मदद से व तकनीकी सहायता से सीसीटीवी फुटेजो के आधार पर आरोपी का पीछा करते हुए आरोपी लालाराम पुत्र ब्रह्मराम 34 साल निवासी थाना बुबकिया भिनाय जिला केकडी को माल सहित गिरफ्तार किया है।

उदयपुर में पांच करोना संक्रमित मिले

उदयपुर, (कासं)। करोना संक्रमण उदयपुर जिले का पीछा छोड़ ही नहीं रहा है लगातार प्रतिदिन जिले कोरोना संक्रमितो की संख्या में वृद्धि हो रही है,रविवार को भी कोविड के 59 सैम्पल लेकर जांच की गई जिसमें 5 पॉज़िटिव मिले जिन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है। जिले में अब 27 करोना संक्रमित होम आइसोलेशन में है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकर एच बामनिया ने बताया कि रविवार कोविड के 59 सैम्पल लेकर जांच की गयी जिसमें 54 नेगेटिव एवं पांच पॉज़िटिव पाये गये। इनमें तीन शहरी क्षेत्र व दो पोजिटिव गिर्वा क्षेत्र में डाकन कोटड़ा और मनवाखेडा क्षेत्र के है। डॉ.बामनिया ने बताया कि शहरी क्षेत्र में पॉजिटिव आये रोगी गायत्री नगर सेक्टर 5, मीरा नगर भुवाना और कृष्णा विहार सेक्टर 4 क्षेत्र से है।

तबादलों से पहले तैयार हो रहा शिक्षा अधिकारियों-कार्मिकों का लेखा-जोखा

- शिक्षा मंत्री ने शिक्षा निदेशालय बीकानेर से प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों के पदस्थापन संबंधी जानकारी मांगी है

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में शिक्षा महकमे के अलावा अन्य विभागों में तबादलों से प्रतिबंध हटा दिया गया है। बोर्ड परीक्षाओं का हवाला देकर शिक्षा विभाग में स्थानांतरण पर फिलहाल रोक जारी रहेगी। इस बीच शिक्षा मंत्री शिक्षकों और विभाग के अन्य कार्मिकों के तबादलों से पहले उनका लेखा-जोखा तैयार करवा रहे हैं। मंत्री ने शिक्षा निदेशालय बीकानेर से प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों के पदस्थापन संबंधी पूरी जानकारी मांगी है। किन शिक्षकों पर पांच साल मेहरबानी रही और कौन हाशिये पर रहा, इस संबंध में आठ बिंदुओं में जानकारी जुटाई जा रही है। एपीओ और प्रतिनियुक्ति पर चल रहे अधिकारियों-कर्मचारियों के बारे में भी सूचना चाही गई है। निदेशालय के अनुभाग अधिकारी एवं कार्मिक सूचना एकत्रित करने के काम में जुट गए हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान एक ही जगह जमे रहे शिक्षकों और पद विरुद्ध लगे कार्मिकों पर विशेष जानकारी मांगी गई है। प्रदेश के सभी संयुक्त निदेशकों को पत्र भेजकर तत्काल जानकारी भेजने को कहा गया है। इस पत्र के आने के बाद सभी संभाग संयुक्त निदेशक फाइलों को खंगालने में जुट गए हैं। आठ बिन्दुओं में मांगी गई सूचना में वरिष्ठ अध्यापक एवं समकक्ष, माध्यमिक शिक्षा के तृतीय श्रेणी अध्यापक एवं समकक्ष पदों की जानकारी मांगी गई है। साथ ही एपीओ तथा पद विरुद्ध लगे कर्मचारियों की सूचना भी तैयार की जा रही है।

इन 8 बिंदुओं की मांगी सूचना :- जहां एक पद पर एक से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी लगे हुए हैं। जिन विद्यालयों में पांच से कम उर्दू के विद्यार्थी हैं तथा उर्दू विषय के अध्यापक का पद स्वीकृत है। वर्तमान सरकार से पूर्व कौन-कौन अधिकारी एवं कर्मचारी एपीओ है तथा कितने पद विरुद्ध लगे हुए हैं। गत पांच साल में कितने अधिकारी तथा कर्मचारी कितने समय तक एपीओ रहे।कितने अधिकारियों-कर्मचारियों को एक से ज्यादा पदों का कब-कब कार्यभार दिया गया। पिछले पांच सालों में किस-किस अधिकारी एवं कर्मचारी का दो बार से ज्यादा कब-कब स्थानांतरण किया गया और कहां-कहां किया गया। वर्तमान या पिछले पांच सालों में शिक्षक एवं मंत्रालयिक कर्मचारी मूल स्थान पर जहां वह पदस्थापित हैं, इसके अतिरिक्त कहां-कहां मौखिक एवं लिखित आदेश पर कार्यरत रहे। साथ ही किसके आदेश पर कार्यरत रहे। विभाग में कौन-कौन से अधिकारी एवं कर्मचारी अन्य विभागों में कब से प्रतिनियुक्ति पर हैं। कौन-कौन अधिकारी एवं कार्मिक अन्य विभागों से शिक्षा विभाग में कब से प्रतिनियुक्ति पर हैं ।शिक्षा विभाग में गत पांच सालों में सेवानिवृत्ति के बाद कौन-कौन से अधिकारियों तथा कर्मचारियों को दुबारा में सेवा में रखा गया है।

आशीष मोदी, शिक्षा निदेशक का कहना है कि शिक्षा मंत्री ने जो सूचना मांगी है, वह जुटाई जा रही हैं। इसके लिए संबंधित अनुभाग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सूचना तत्काल एकत्रित कर भेजने को कहा गया है।

महिला के शव को बोरवेल से निकालने के लिए रेस्क्यू जारी

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी जिले के बामनवास तहसील के रामनगर ढोसी में छठे दिन भी बोरवेल में गिरी महिला के शव को नहीं निकाला जा सका है। पिछले 5 दिनों से रेस्क्यू में जुटी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को बडी चुनौतियों का सामना करना पड रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दो प्रयास विफल होने के बाद तीसरे प्रयास के लिए अजमेर से पायनियर मशीन मंगवाई गई थी। इस मशीन ने जैसे ही मेन बोरवेल के समानांतर 3 फीट चौडा और 100 फीट गहरा बोरवेल शनिवार खोदना शुरू किया तो प्रेशर से तीन बार पाइप फट गए। अब टीम ने 100 फीट की गहराई में जाकर सुरंग बनाना शुरू कर दिया है, लेकिन अभी भी ऑपरेशन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिस बोरवेल में महिला गिरी उससे 5 फीट और 8 इंच की दूरी पर उसके समानांतर 100 फीट गहरा बोरवेल पायनियर मशीन से खोदा गया।

पायनियर मशीन ने शुक्रवार शाम को ही काम शुरू कर दिया था। शुरुआत में तो केवल दो घंटे में ही 50 फीट से ज्यादा की खुदाई कर ली गई थी। क्योंकि तब तक मिट्टी रेतीली थी। इसके बाद चिकनी मिट्टी निकलनी शुरू हो गई, जो ड्रिल मशीन पर चिपक रही थी, इसलिए रेस्क्यू की रफ्तार कम हो गई। शनिवार को करीब सौ फीट तक खुदाई पूरी कर ली गई थी। इसके बाद बोरवेल में लोहे के पाइप डालने का काम शुरू हुआ, क्योंकि मिट्टी धंसने का डर था। ऐसा लग रहा था कि शनिवार को ही महिला के शव को बाहर निकाल लिया जाएगा। लेकिन यहां पाइपों की वेल्डिंग छूटने लगी।

लोहे के पाइपों को आपस में वेल्डिंग किया जा रहा था। तब उन्हें अंदर बोरवेल में डाला गया। तभी एक पाइप की वेल्डिंग छूट गई। क्योंकि लोहे के पाइपों में काफी वजन था। इसके बाद वापस से उन पाइपों को बाहर निकालकर वेल्डिंग कर अंदर डाला गया। ऐसे में डबल समय लग गया। ड्रिल करने पर लाइन कुछ टेडी भी पड़ चुकी थी। जब पाइपों को अंदर डालने का काम शुरू हुआ तो मशीन के प्रेशर पाइप फट गया था। उसे रिपेयर कर दोबारा काम शुरू किया, लेकिन फिर से वह प्रेशर नहीं झेल पाया और पाइप फिर से फट गया। तीसरी बार रिपेयर कर पाइपों को अंदर डाला गया है। अंदर सबसे पहले एक ऐसा पाइप डाला गया था, जिसे एक तरफ से चार फीट की चौड़ाई पर काटा गया है। इसी होल से खुदाई कर मेन बोरवेल तक गहराई में सुरंग बनाई जा रही है, जोकि काफी बड़ा चैलेंज है।

जिस बोरवेल में महिला गिरी थी वहां तक पहुंचने के लिए उस गहराई से एक सुरंग खोदी जा रही है। पहले तो ऐसा लग रहा था कि शनिवार शाम को ही शव को बाहर निकाल लिया जाएगा। लेकिन गहराई में मिट्टी काफी ठोस थी। मोनिका मंगलवार शाम को बोरवेल में गिर गई थी। हालांकि अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि ये हादसा है या फिर उसे आत्महत्या की है। रातभर उसे परिजन तलाश कर रहे थे। मंगलवार को ही उसका पति सुरेश दिल्ली से आया था।

वायुशक्ति प्रदर्शन की तैयारियां शुरू

जैसलमेर, (निसं)। भारतीय वायुसेना के सबसे बड़े एयर शो वायुशक्ति-2024 की तैयारियां चांदन फील्ड फायरिंग रेंज में जोरों से हो रही है। कस्बे से चांदन फील्ड फायरिंग रेंज जाने वाली रोड की सफाई की जा चुकी है। रैंज रोड के प्रवेश पर विशाल तोरण द्वार से प्रवेश को भव्यता प्रदान की जा रही है। जिला प्रशासन और वायुसेना के अधिकारी तैयारियो को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिदिन आ रहे है।

17 फरवरी को होने वाले इस बड़े आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति, गृहमंत्री, रक्षामंत्री सहित उच्च पदाधिकारी, राजनेता उपस्थित रहेंगे। भारतीय वायुसेना की वेबसाईट के अनुसार वायुशक्ति 2024 में राफेल, मिग, मिराज, स्वदेशी लाइट एयर क्राफ्ट तेजस सहित विभिन्न विमान अपनी शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन को लेकर जिलेवासियों में उत्साह का माहौल है।

अश्लील क्लिप बनाकर युवक को ब्लैकमेल किया

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में एक युवक की अश्लील क्लिप बनाकर आरोपी द्वारा उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। युवक द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने अश्लील क्लिप को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी है। पीडिता पिता ने पुलिस में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दी है। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि ब्लैकमेलिंग के चलते युवक काफी दिनों से डिप्रेशन का शिकार है। पिता ने क्रिश्चियनगंज थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित युवक के पिता ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि एक महिला व उसके तीन साथियों ने उसके 30 साल के बेटे की अश्लील फोटो ली और फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठ लिए। अब भी लगातार पैसों की मांग कर धमकी दे रहे हैं। गत जुलाई माह में महिला व उसके साथी बेटे से जान पहचान कर निराला हाथीखेड़ा रोड अजमेर फ्लेट में ले गए। वहां जाकर पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके कपड़े उतार कर अर्धनग्न कर दिया और अश्लील फोटो ली। इसके 10 से 12 दिन बाद बेटे के मोबाइल पर फोटो भेजे और कहा कि अगर हमें पैसे नहीं दिए तो हम ये फोटो सभी जगह वायरल कर देंगे।

जिससे कि तुम व तुम्हारे परिवार वालों का जीना दुश्वार कर देंगे। परेशान कर 20 से 25 हजार रुपए ले लिए। बेटे पर दबाव व धमकियां देकर एक इंस्टाग्राम की आईडी भी बनाई। इस आईडी का उपयोग आज दिनांक तक ब्लैकमेल किया जा रहा है। ब्लेकमेलिंग व धमकियों से परेशान होकर बेटा मानसिक तनाव व डिप्रेशन का शिकार हो गया है। उसका इलाज जोधपुर व पाली अस्पताल में चल रहा है। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच एएआई जगमाल दाहिमा को सौंपी है।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा खंडित की

हिंडौन सिटी, (निसं)। गांव ढिंढोरा स्थित एक मूर्ति और तीन मूर्ति के बीच नव स्थापित भगवान बुद्ध की प्रतिमा असामाजिक तत्वों ने तोड़ दी। मामले में दलित समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। वहीं सूरौठ तहसीलदार गजानंद मीना, थाना प्रभारी पंजाब सिंह, नई मंडी थाना प्रभारी बृजेन्द्र सिंह जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। करीब 3 घंटे तक लोगों ने प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

नवजात का भ्रूण मिला

अजमेर, (कासं)। जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र के गांव हाथीपट्टा के तालाब की पाल पर रविवार को एक नवजात शिशु का भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। किसान ने मृत नवजात शिशु देखकर इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। आसपास में जानकारी जुटाई, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस में मामले की जांच जुट गई। हाथीपट्टा निवासी सायर सिंह पुत्र हजारी रावत ने बताया कि वह रविवार सुबह घर से तालाब की ओर जा रहा था तो बनेवडी रोड पार कर तालाब की पाल पर पहुंचा, जहां कचरे में एक नवजात भ्रूण बालक का शव मृत अवस्था में मिला। जिस पर ग्रामीणों को मौके पर बुलाया गया एवं पुलिस को सूचना दी। आस पास में राहगीरों से पूछताछ कर पता करने का प्रयास किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस भी पहुंची और देखने पर नवजात भ्रूण की उम्र करीब 7-8 माह का लग रहा है।

शिक्षकों के डेपुटेशन निरस्त करने के आदेश जारी

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में सबसे ज्यादा कार्मिकों वाले शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) लाइलाज होकर जड़े जमा चुकी हैं। सरकारें बदलती रहती है, डेपुटेशन निरस्त के आदेश भी आते-जाते रहते हैं, लेकिन इस बहाने मौज उड़ाने वाली हजारों शिक्षकों की फौज का कुछ नहीं बिगड़ता। कई तो एसडीएम कार्यालय से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक में लिपिक बने बैठे हैं।

डार्क जोन के दस जिलों में तो दस फीसदी शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे जिले में कार्यरत हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक ने बाकायदा प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत 300 शिक्षकों की सूची के साथ डेपुटेशन निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। इस आदेश से हकीकत सामने आई कि सात-आठ साल से शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर मौज कर रहे थे। जबकि प्रतिनियुक्ति की अधिकतम सीमा ही पांच साल है। अभी प्रारंभिक शिक्षा में इस खेल से पर्दा उठना शेष है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक ने प्रतिनियुक्त निरस्त के आदेश तो जारी किए लेकिन ऐसे शिक्षकों के नाम और स्थान सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। सूत्र बताते हैं कि माध्यमिक से कई गुणा ज्यादा करीब दस हजार शिक्षक प्रारंभिक में प्रतिनियुक्ति वाले हैं। निदेशालय के एक वरिष्ठ कार्मिक ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा में हर जिले में न्यूनतम 200 शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर है।

अभी केवल माध्यमिक शिक्षा के ही डेपुटेशन पर से पर्दा हटा है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सभी प्रतिनियुक्त कार्मिकों के एक ही ऑर्डर से माध्यमिक की तर्ज पर सूची संलग्न कर डेपुटेशन निरस्त नहीं किए हैं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने यहां डेपुटेशन निरस्त कर 12 फरवरी तक मूल पदस्थापन के लिए रिलीव करने के आदेश दिए हैं।

"देवलिया कलां फेस्टिवल" में राजस्थानी संस्कृति से सरोबार हुए हजारों ग्रामीण

बान्दनवाड़ा, (निसं.)। उपखण्ड भिनाय के देवलिया कलां ग्राम में फोकस भारत मीडिया और फोकस फाउंडेशन के तत्वाधान में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने तथा राजस्थान की कला साहित्य-संस्कृति के समागम और ग्रामीण विकास के दृष्टिगत देवलिया कलां फेस्टिवल-2024 का बेहतरीन आयोजन हुआ। जिसमें ग्राम स्वराज आत्मनिर्भर गांव आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को सार्थक बनाने की दिशा में फोकस भारत मीडिया और फोकस फाउंडेशन की ओर से आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गाँवों से करीब पांच हजार ग्रामीण लोग उपस्थित रहे जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा देखने को मिली।

कार्यक्रम में कलाकारों ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी।

फोकस भारत की प्रधान संपादक और आयोजक कविता नरुका ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी के सपने के अनुरुप आत्मनिर्भर गांव आत्मनिर्भर भारत को सार्थक बनाने की दिशा में ये एक छोटा सा कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाएं बहुत कुछ कर सकती है यही दिखाना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब हम आईना देखें तो हमारी नजरें नहीं झुकनी चाहिए। यही सोच रखकर महिलाएं और बालिकायें आगे बढ़ सकती है। दुनिया चाहे कुछ भी कहे हमें उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए, लोगों का नजरिया बदलेगा। गांव का विकास हो। राजस्थान की कला, साहित्य व संस्कृति का प्रचार हो। एक दिन ऐसा होगा जब देवलिया कलां का नाम महिलाओं के सम्मान के मामले में देश में सबसे अव्वल नंबर पर लिया जाएगा यही मेरा लक्ष्य है। इससे पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष पटेल व कविता नरुका विशिष्ट अतिथि बादाम देवी वर्मा, सुमन किन्नर सहित एडवोकेट डॉ. मनोज आहूजा, राजेश मेहरा, ओमप्रकाश भट्ट, अशोक ठाकुर, देवेंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वललित कर कार्यक्रम की विधिवत रूप से शुरुआत की। सुदेश जांगिड़ की टीम के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत करने के बाद देवरिया के गुर्जरों द्वारा अलगोजा की बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। जिसके पश्चात् राजस्थानी संस्कृति व लोक देवता को समर्पित देवजी की फड़ का वाचन हुआ, सोशल मीडिया पर करोड़ों फॉलोअर्स को साथ लेकर चलने वाली झुंझनू की बाल कलाकार मानवी की डांस प्रस्तुति पर सभी दर्शक झूम उठे, चंदन और भीम ने अवध में राम आए हैं की बेहतरीन प्रस्तुति डफली बजाते हुए देकर राजस्थानी कला व संस्कृति को जीवंत रूप से दर्शन करवा दिए जिसकी सभी ने मंत्र मुग्ध होकर सराहना की गई।

समाजसेवा के क्षेत्र में अव्वल नंबर पर याद रखने वाली समाजसेविका सुमन किन्नर द्वारा कस्तूरबा बालिका छात्रावास को फ्रिज भेंट कर क्षेत्र की जनता जनार्दन को प्रेरणा स्त्रोत के रूप में उदाहरण दिया तो वहीं अपने सम्बोधन में अनाथ व अक्षम बालिका की शादी का खर्चा उठाने की घोषणा करने से पांडाल में मौजूद हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने तालियां बजाकर अभिनन्दन किया। इसी बीच कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बादाम देवी वर्मा ने सम्बोधन करते हुए फोकस भारत का विजन बताते हुए आयोजक कविता नरुका द्वारा किये गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसी बीच कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को देवलिया कला अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षक पदमश्री अवार्ड से सम्मानित गुलाबो की पुत्री द्वारा निम्बूड़ा निम्बूड़ा डांस प्रस्तुत कर सबको नाचने पर मजबूर कर दिया तो वहीं कार्यक्रम के अंत में गुलाबो ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी इसके अलावा भी कार्यक्रम में अलगोचा कलाकार, मांगणियार कलाकार, कत्थक नृत्य जैसी लोक कलाओं की प्रस्तुतियां देखने को मिली।

देवलिया कलां फेस्टिवल में खास बात ये देखने को भी मिली कि, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने के लिए गांव में होम स्टे देखने को मिला जिसमें ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और ग्रामीण-शहरी संस्कृति का आदान-प्रदान भी होगा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई मशीन दी गई तो हस्तशिल्प मेले का भी आयोजन किया हुआ। छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षण सामाग्री वितरित की गई। ग्रामीण महिलाओं द्वारा सामूहिक लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। निशुल्क हेल्थ केम्प लगाया गया।राजस्थान और केन्द्र सरकार की योजनाओं की स्टॉल लगाई गई इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को देवलिया कलां अवॉर्ड से नवाजा गया।